an>

Title: Need to give financial help to farmers whose crops have been damaged by wild animals.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लाना चाहता हूँ। देशभर में घने जंगलों की संख्या कम हो रही है, वातावरण चेंज हो रहा है, जलवायु चेंज हो रही है। जंगली जानवर जंगलों से निकलकर मैदानी क्षेत्र में आ जाते हैं जिससे किसानों की फसलें बहुत खराब हो रही हैं। पंजाब में भी इसी बहुत ज्यादा मुश्किल आ रही है। जंगली जानवर जानी नुकसान भी करते हैं और फसलों का भी नुकसान करते हैं। हमारी सरकार ने एक स्कीम बनाकर केन्द्र सरकार को भेजी थी कि 33 प्रतिशत पैसा राज्य सरकार देगी, 33 प्रतिशत केन्द्र सरकार दे और 33 प्रतिशत पैसा हमारे किसान देने को तैयार हैं, वहां किसानों के खेतों की फेंसिंग करने के लिए जालीदार तार की जरूरत है। मैं समझता हूं कि इससे लोग बच सकते हैं। आज हमारे लोगों को बहुत परेशानी आ रही है।

दूसरे, जंगली जानवरों के साथ ही आवारा पशुओं की भी बहुत ज्यादा परेशानी आ रही है। देशभर में उनकी संख्या बढ़ रही है। उनको प्रोटेक्ट करने के लिए, चूंकि केन्द्र सरकार की नीति है, इसलिए राज्य सरकारें कुछ कर नहीं पा रही हैं। इसी तरह से आवारा कुत्तों की भी समस्या देशभर में। ये तीन मुश्किलें हैं, इनके लिए साझे तौर पर इकट्ठे होकर केन्द्र सरकार को नीति बनानी चाहिए। यही मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: श्री प्रहलाद सिंह पटेल, श्री पी.पी.चौधरी, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।